रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 12 जनवरी, 2026

वर्ष 02 | अंक 13 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

गजनवी से औरंगजेब तक अतीत में हो गए दफन

सोमनाथ वहीं खड़ा

● पीएम मोदी बोले-सोमनाथ मंदिर तोड़ने वाले अक्रांता इतिहास के पन्नों में सिमटे ● दुर्भाग्य से देश में आज भी मंदिर पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें मौजूद

सोमनाथ (एजेंसी)। गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर 1000 साल पहले हुए हमले को लेकर पीएम ने कहा कि, उस वक्त आततायी सोच रहे थे कि वे जीत गए हैं, लेकिन आज भी सोमनाथ मंदिर में फहरा रही ध्वजा बता रही है कि हिंदुस्तान की शक्ति क्या है। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था। पीएम ने नेहरू का नाम लिए बिना कहा कि जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। दरअसल 1951 में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने को लेकर जवाहरलाल नेहरू ने आपत्ति जताई थी। पीएम ने मंदिर से करीब 3 किमी दूर सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आज भी ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटने की कोशिश में लगी हुई हैं। पीएम ने सुबह मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की। शिवलिंग पर जल चढ़ाया, फूल अर्पित किए और पंचामृत से अभिषेक किया।

मजहबी कट्टरपंथी कुछ नहीं बिगाड़ पाए

जब आक्रांता सोमनाथ पर हमला कर रहे थे, उन्हें लग रहा था कि उनकी तलवार सनातन सोमनाथ को जीत रही है लेकिन वे मजहबी कट्टरपंथी यह नहीं समझ पाए कि जिस सोमनाथ को वे नष्ट करना चाहते थे। उसके नाम में ही सोम अर्थात अमृत से जुड़ा है। उसमें हलाहल को पीकर भी अमर रहने का विचार जुड़ा है। जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है।

न मंदिर नष्ट हुआ न भारत

आज उस इतिहास के बारें में कल्पना कीजिए, 1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया। लेकिन इसके बाद ही मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू हो गया। इसके बाद खिलजी ने मंदिर तोड़ा। लेकिन जूनागढ़ के राजाओं ने फिर से मंदिर का पुनर्निर्माण करा दिया। ये भी संयोग है कि आज सोमनाथ आक्रमण के 1 हजार साल पूरे हो रहे हैं। और अब इसके पुनर्निर्माण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ को नष्ट करने के एक नहीं, अनेकों प्रयास हुए।

1101 ट्रैक्टरों की रैली के साथ कृषक कल्याण वर्ष 2026 का शुभारंभ

● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खुद ट्रैक्टर चलाकर दिया संवेदनशील नेतृत्व का संदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी भोपाल से रविवार को कृषक कल्याण वर्ष 2026 का भव्य एवं गरिमापूर्ण शुभारंभ किया। उन्होंने शुभारंभ अवसर पर किसानों की ऐतिहासिक 1101 ट्रैक्टरों की रैली का नेतृत्व किया। विशाल संख्या में ट्रैक्टरों की अनुशासित सहभागिता ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। ट्रैक्टर रैली में किसानों के उत्साह को देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह ट्रैक्टर रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की एकजुटता, आत्मविश्वास और प्रदेश सरकार की किसान-हितैषी सोच का सशक्त प्रतीक है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसानों के हित में निरंतर और ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भावुक एवं प्रेरक क्षण तब आया, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं ट्रैक्टर की कमान संभाली। ट्रैक्टर चालक से आग्रह कर ट्रैक्टर पर बैठना और उसे चलाना मुख्यमंत्री की सहजत और किसानों के श्रम के प्रति सम्मान को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस सादगी और आत्मीयता ने उपस्थित जनसमुदाय को भावविमोर कर दिया। किसानों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ किसान बने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया।

सरकार की नीतियों का केंद्र किसान, नारी, युवा और गरीब हैं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार की नीतियों का केंद्र किसान, नारी, युवा और गरीब हैं। इन चारों वर्गों के सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार योजनाओं और कार्यक्रमों का निर्धारण कर रही है, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की। डनहोंने कहा कि इस दौरान किसानों के हितों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कृषक कल्याण वर्ष के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सरकार के 16 विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे, जिससे कृषि से जुड़े सभी आयाम–उत्पादन, लागत, विपणन, आय और कल्याण एक साथ सुदृढ़ हो सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश की कृषि विकास दर 16 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो राज्य की कृषि क्षमता और नीतिगत प्रयासों की सफलता दर्शाती है।

शंभूनाथ विश्वविद्यालय पुराना परिसर में विद्यार्थियों एवं नगर पालिका शहडोल के तत्वावधान में हुआ श्रमदान

शहडोल। शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय के पुराने परिसर में विद्यार्थियों एवं नगर पालिका शहडोल के संयुक्त तत्वावधान में साफ सफाई का कार्य किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता

निभाई एवं स्वच्छता का संदेश जनमानस को दिया एवं शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की शपथ भी दिलाई गई। साफ सफाई के कार्य में नगर पालिका शहडोल का मैदानी अमला एवं शंभूनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी शामिल रहे।

अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन 17–18 जनवरी को शिवपुरी में

शिवपुरी। मध्यदेशीय अग्रवाल समाज, शिवपुरी के तत्वावधान में अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 17 एवं 18 जनवरी को गांधी पार्क, शिवपुरी (मध्यप्रदेश) में किया जाएगा। इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य समाज के योग्य युवक-युवतियों को एक उपयुक्त मंच प्रदान कर वैवाहिक संबंधों को सहज एवं पारदर्शी बनाना है। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन में मध्यप्रदेश सहित आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के युवक-युवती एवं उनके परिजन शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान परिचय सत्र, पंजीयन व्यवस्था तथा सामाजिक संवाद के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, जिससे प्रतिभागियों को एक-दूसरे को समझने का अवसर मिल सके। मध्यदेशीय अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में आपसी संपर्क बढ़ता है और पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक सोच को बढ़ावा मिलता है। आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं का सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है। समाज के सदस्यों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर इस सम्मेलन को सफल बनाएं।

पति ने पढ़ाया-लिखाया, एसआई बनते ही पत्नी ने तलाक मांगा

भोपाल में पंडिताई करता है पति, बोली-उसके पहनावे, काम और चोटी से शर्म आती है

भोपाल। भोपाल के फैमिली कोर्ट में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पति ने पंडिताई कर पैसे जोड़कर पत्नी को पढ़ाया-लिखाया ताकि वह पुलिस अफसर बन सके। सब-इंस्पेक्टर बनते ही पत्नी ने कोर्ट में तलाक की अर्जी लगा दी। पत्नी का कहना है कि पति के पहनावे और उसके पेशे से शर्म आने लगी है। उसका लुक अच्छा नहीं लगता है। वहीं, पति का कहना है कि पत्नी उसकी चोटी कटाने का दबाव बनाती है। शादी के समय महिला का सपना पुलिस विभाग में भर्ती होने का था। पति ने उसकी इस इच्छा का सम्मान किया। पति पेशे से पंडित है और पूजा-पाठ करके घर चलाता है। उसने अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा पत्नी की पढ़ाई और तैयारी में लगाया। पत्नी की मेहनत रंग लाई और वह सब-इंस्पेक्टर बन गई। कामयाबी मिलते ही पत्नी का बर्ताव पति के लिए बदलने लगा। उसके पहनावे और लुक्स से पत्नी चिढ़ने लगी और इसमें बदलाव करने की शर्त रख दी। पति ने नहीं माना तो महिला ने तलाक मांगा।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में इस बार सिस्टम में बदलाव, अब हाथ उठाकर होगा

मतदान, पूरी प्रक्रिया की होगी वीडियो रिकॉर्डिंग दो साल पहले मेयर चुनाव विवाद और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचे मामले के बाद चंडीगढ़ में इस बार मेयर चुनाव की प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। अब चंडीगढ़ नगर निगम (MC) के मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पदों

के लिए होने वाला चुनाव 29 जनवरी 2026 को 'शो ऑफ हैंड्स' प्रक्रिया से कराया जाएगा। इसके लिए नगर निगम ने 22 जनवरी को आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया तय कर दी है और पूरे चुनाव का शेड्यूल तैयार कर लिया गया है।

रणजीत टाइम्स

Best Performer Award से सम्मानित अमोल शेंडोकर

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के Executive Vice President (Marketing & Sales Head) श्री त्सुयोशी ताकेशिता (Mr. Tsuyoshi Takeshita) द्वारा अमोल शेंडोकर को Best Performer Award से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली, अनुशासन, समर्पण और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रमाण है। अमोल शेंडोकर की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

नेताजी सुभाष अलंकरण से सम्मानित होंगी 5 विभूतियां

इंदौर। नेताजी सुभाष मंच , श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा 23 जनवरी को नेताजी सुभाष अलंकरण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान देने वाली 5 विभूतियों को नेताजी सुभाष अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। इस बार से नेताजी सुभाष की जयंती पर चार दिवसीय कार्यक्रम होंगे। नेताजी सुभाष मंच के अध्यक्ष मदन परमालिया , ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने बताया कि 23 जनवरी को सुभाष अलंकरण समारोह संयोजित होगा। इसमें डॉ. दिलीप वाघेला को पर्यावरण संरक्षण, श्रीमती पूजा दवे को समाजसेवा, बालक दास घोरेया को समाजसेवा, आदित्य तिवारी को गायक और यातायात जागरूकता और संदीप काले को समाज सेवा कार्य के लिए नेताजी सुभाष अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। समारोह 23 जनवरी को प्रातः 10.30 बजे से इंडियन कॉफी हाउस, रीगल तिराहा, रानी सराय पर होगा। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर तिरंगा झंडा वितरण होगा। 28 जनवरी को पौधारोपण और 30 जनवरी को देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति होगी।

अवैध मादक पदार्थ की गतिविधियों के विरुद्ध कार्यवाही में एमडी ड्रग्स के साथ 01 आरोपी, पुलिस थाना खजराना इंदौर की गिरफ्त में

इंदौर शहर मे अवैध मादक पदार्थ की तस्करी एंव इनकी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों पर नियत्रण हेतु प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं। जिसके परिपेक्ष्य में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह व पुलिस उपायुक्त ज़ोन-02 श्री कुमार प्रतीक के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ज़ोन-02 श्री अमरेन्द्र सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदन मण्डलोई द्वारा दिए निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना खजराना द्वारा अवैध मादक पदार्थ MD ड्रग्स के साथ एक तस्कर को पकड़ा गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के अनुक्रम में थाना खजराना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव के नेतृत्व में पुलिस द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनमें संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर कार्यवाही की जा रही हैं इसी कड़ी में थाना खजराना की टीम द्वारा संदेहियो की तलाश एवं पतारसी खजराना क्षेत्र के अलग–अलग स्थानो पर करते स्टार चौराहे के पास सर्विस रोड खजराना इंदौर पर पहुंचे तो 01 संदिग्ध व्यक्ति खड़ा दिखा , जो पुलिस टीम को देखकर घबराकर भागने का प्रयास करने लगा, टीम द्वारा आरोपी की घेराबंदी कर धरदबोचा , जिनकी नियमानुसार तलाशी लेते आरोपी के पास से अवैध मादक पदार्थ एम डी ड्रग्स होना पाया गया ।

आरोपी का नाम,पता पूछने पर अपना नाम (1). मोहम्मद लियाकत खान उम्र 45 साल निवासी तंजीम नगर खजराना इंदौर। ▪ आरोपी 12th तक पढ़ा लिखा है और कॉस्मेटिक की दुकान का कार्य करता है ।•

जप्तशुदा मशरूका – लगभग 1,80,000 मूल्य से अधिक का 18 ग्राम से अधिक का मादक पदार्थ एम डी ड्रग्स होना पाया गया । जिसके संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ एम डी ड्रग्स का नशा करने का आदि है, नशे की लत पूरी करने एवं जल्दी और आसानी से अमीर बनने की नियत से ड्रग्स सप्लाई के काम को अंजाम देता था उक्त प्रकरण में आरोपी के कब्जे से लगभग 18 ग्राम से अधिक का अवैध मादक पदार्थ एम डी ड्रग्स जप्त कर आरोपी के विरुद्ध थाना खजराना में अपराध क्रमांक 20/26 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना में लिया गया है, जिसके आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हे।

रणजीत टाइम्स

इंदौर में उमड़ा जनसैलाब दूषित पानी से 21 निर्दोष लोगों की हत्या और हजारों पीड़ितों के लिए न्याय की माँग कर रहा है

महू-इंदौर- जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया कांग्रेस की न्याय यात्रा जन सैलाब के रूप में बड़ा गणपति इंदौर से पैदल मार्च कर राजवाड़ा में सभा के रूप में समापन हुआ। कांग्रेस नेताओं ने कहा माँ अहिल्या की नगरी में उमड़ा यह जनसैलाब दूषित पानी से 21 निर्दोष लोगों की हत्या और हजारों पीड़ितों के लिए न्याय की माँग कर रहा है। इस यात्रा में मुख्य रूप से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह राहुल भैया, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, जयवर्धन सिंह, सज्जनसिंह वर्मा, कांतिलाल भूरिया, संजय दत्त, शोभा ओझा, सह प्रभारी उषा नायडू, प्रदेश सेवादल अध्यक्ष अवनीश भार्गव, विधायक सुरेंद्रसिंह हनी बघेल, सचिन यादव,रीना बोरासी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सदाशिव यादव,कन्हैयालाल ठाकुर, कैलाशदत्त पांडे, यदुनंदन पाटीदार, हरिराम चौहान, मृणाल पंत, जीतू ठाकुर, अशोक सैनी, जुगनू जादवसिंह धनावत, शक्तिसिंह गोयल, विजेंद्रसिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य रूमा भुरू भाई,रुक्मणी निनामा, बैकुंठ पटेल, एहसान पटेल,अशोक आंजना, हुक्कम आंजना, शिखा अमित अग्रवाल,विष्णु मालवीय, विष्णु हारोड़, यादवसिंह चौहान, धर्मेंद्र बिरथरे, महेंद्र गोस्वामी, मनमोहन गुनावत, रामप्रसाद बारूड़, चंदरसिंह ठाकुर, कमल चौधरी, गजेंद्रसिंह राठौर,ओम पटेल, शेखर मालवीय, पप्पू खान, दिनेश पंचोली, हरिराम जुलवानिया, पुनीत शर्मा, गोविंद टेलर, पंकज मीणा, जगदीश मीणा, नरेंद्र मीणा, सचिन मीणा, रवि मिश्रा, सद्दाम पटेल, मुस्तकीम कुरैशी, मंसूर पटेल, दिनेश सलवाडिया, कैलाश गोयल, अजय सगर, विलीन पाटीदार, महेश वर्मा, विनोद

पटेल, आनंद गोगलिया,गौरवसिंह सोलंकी, प्रवीण सोलंकी,मनीष वर्मा, विक्रम राजपूत, मनोहर गावड़, कैलाश गोयल, रामचंद्र ठेकेदार, शैलेश जाट, जीवन पटेल, भीम ठाकुर, विकास ठाकुर, साकिर खान, देवेंद्र अग्रवाल, डॉक्टर अजय धनावत, चेतन मुकाती, गणेश यादव, अंतर यादव, महेंद्र यादव, तोलाराम बरगट, रोहित कागट, फरदीन खान, हर्ष जाजू,सागर पाटीदार, प्रवीण पाटिल, लोकेश जाट, जीवन पटेल, सचिन गुप्ता, अल अमन खान, विनोद भार्गव, विष्णु गुर्जर, अरुण गुर्जर, भगवान चौधरी, लखन दरबार, भारत पटेल, राहुल जिराती, रोहित ठाकुर, मनीष डावर, सतपाल निनामा, इत्यादि हजारों कांग्रेस जन और भारी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया कार्यक्रम का संचालन चिंटू चौकसे ने किया और आभार विपिन वानखेड़े ने माना।

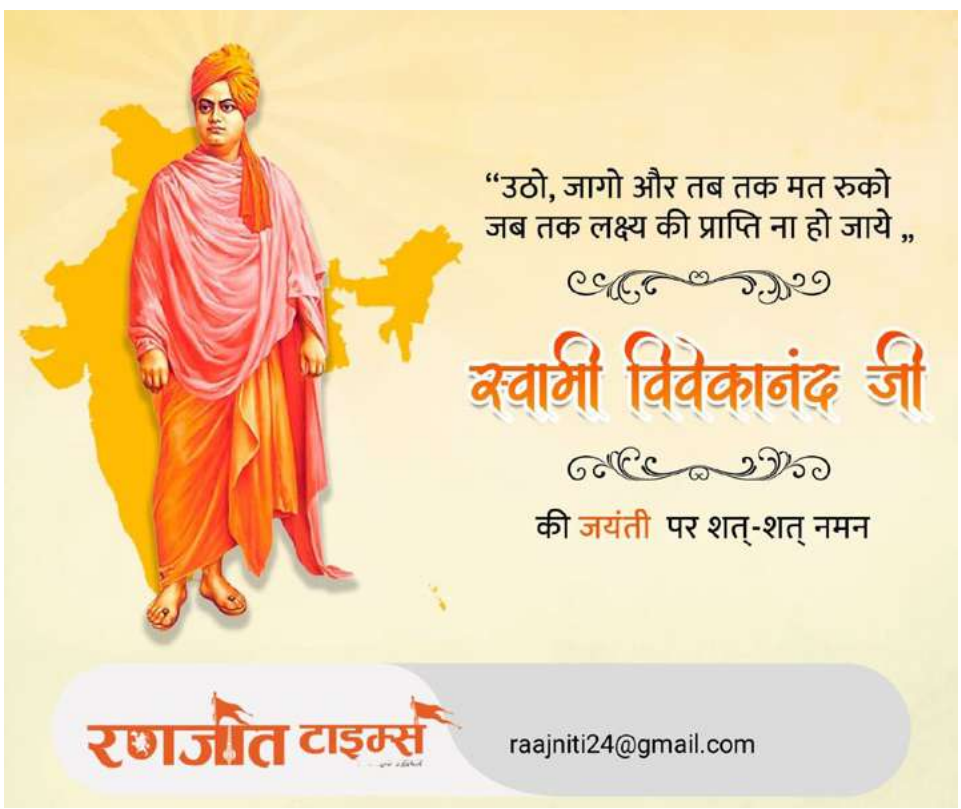

सड़क हादसेः असली वजहों से मुँह मोड़ती रिपोर्टिंग

सोशल मीडिया से प्राप्त विचार

सड़क दुर्घटनाओं की रिपोर्टिंग में अक्सर एक ही ढर्रा देखने को मिलता है। किसी भी हादसे के बाद अधिकांश अख़बार वही लिखते हैं जो उन्हें पुलिस ब्रीफिंग में बताया जाता है"सीट बेल्ट नहीं पहनी थी", "वाहन की गति तेज थी", "चालक नशे में था"। लेकिन क्या वाकई हर सड़क हादसे की यही असली वजह होती है? सोशल मीडिया (व्हाट्सएप) पर प्रसारित एक विचारशील टिप्पणी इस पूरी रिपोर्टिंग व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। टिप्पणी में बताया गया है कि सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजहें अक्सर खराब रोड इंजीनियरिंग, ब्लैक स्पॉट, गलत ढंग से खड़े भारी वाहन और सुरक्षा मानकों की अनदेखी होती हैं—जिन पर न मीडिया ध्यान देता है, न सिस्टम।

हाल ही में इंदौर में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन मासूम बच्चों की जान चली गई। इस घटना के बाद लगभग सभी अख़बारों ने नशे, सीट

बेल्ट और स्पीड को कारण बताया। लेकिन किसी भी रिपोर्ट में यह सवाल नहीं उठाया गया कि सड़क पर खड़ा डंपर रेडियम रिफ्लेक्टर से लैस था या नहीं, उसमें बैक लाइट चालू थी या नहीं, और वह वाहन सड़क के किनारे था या बीच में खड़ा था। आधी रात, कोहरा और धुंध के बीच यदि कोई भारी वाहन बिना बैक लाइट और रिफ्लेक्टिव रेडियम के सड़क पर खड़ा हो, तो सामान्य गति से चल रहा सतर्क चालक भी उसे समय रहते नहीं देख पाएगा। यह कोई बहाना नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा और इंजीनियरिंग की हकीकत है। टिप्पणी में यह भी कहा गया है कि रात के समय ड्राइविंग के दौरान सबसे बड़ा खतरा बेतरतीब खड़े डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉलियाँ हैं, जो बिल्कुल दिखाई नहीं देते। हैरानी की बात यह है कि दो-पाँच रुपये के रेडियम रिफ्लेक्टर यदि इन वाहनों पर अनिवार्य रूप से लगा दिए जाएँ, तो सैकड़ों जिंदगियाँ बचाई जा सकती हैं। लेकिन दुखद सच्चाई यह है कि डंपर मालिकों से जिम्मेदारी की उम्मीद करना अक्सर व्यर्थ साबित होता है। वहीं दूसरी ओर, मीडिया गंभीर सवाल पूछने से बचता है, पुलिस की सक्रियता अक्सर व्यस्त चौराहों पर गरीब मजदूरों के हेलमेट और काग़ज़ों के चालान तक सीमित रह जाती है, जबकि प्रभावशाली और रसूखदार वाहन मालिक कार्रवाई से बचे रहते हैं। टिप्पणी में यह सुझाव भी दिया गया है कि यदि प्रशासन से उम्मीद कम हो चुकी है, तो सामाजिक संगठनों और इंजीनियरों की संस्थाओं को आगे आना चाहिए। टोल नाकों पर गुजरने वाले डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर मुफ्त रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जाएँ, और हर शहर में ब्लैक स्पॉट, खतरनाक मोड़ और अनियंत्रित ढलानों की पहचान कर सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। अंत में, इस संदेश के माध्यम से पत्रकारों से भी आत्ममंथन की अपील की गई है हादसे के बाद सिर्फ प्रेस नोट पर निर्भर न रहें, बल्कि मौके पर जाकर हालात समझें और असली वजह सामने लाएँ। यही जिम्मेदार पत्रकारिता है और यही समाज के प्रति सच्ची जवाबदेही। — सोशल मीडिया (WhatsApp) से प्राप्त विचार

प्रस्तुतिः रणजीत टाइम्स

छत्तीसगढ़ में बड़ी ख़ुशख़बरी खुलेंगे 12 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र 144 नए पदों की मिली स्थित स्वीकृत

भिलाई छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य मंत्री ने जाय सवाल की पहल पर बड़ा निर्णय लेते हुए राज्य में 12 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की स्वीकृत दे दी है. वित्तीय वर्ष 2024 के मुख्य बजट के प्रावधान अनुसार नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की घोषणा की गई थी घोषणा के अनुसार स्वास्थ्य विभाग में आदेश जारी करते हुए नगर निगम चिरमिरी के कोरिया कालरी जनपद के ग्राम पंचायती चरोदा कोंडागांव विकासखंड के छात्र गोला खंड बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम मुरमा कोरिया जिले के ग्राम सकरिया राज पर विकासखंड की ग्राम सेकरी विकासखंड दरभंगा के ग्राम घोड़ा घोड़ा तथा ग्राम सीतापुर दुआ विकासखंड के ग्राम करदेगा विकासखंड फरसा बाहर की ग्राम बेटा मारा अकीरा तथा ग्राम गढ़िया दी और विकासखंड कुनकुरी के ग्राम केरादी के नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने के लिए नवीन पदों की स्वीकृति दी गई है।

144 नई पदों की मिली स्वीकृत

एक चिकित्सा अधिकारी, एक ग्रामीण चिकित्सा सहायक, एक फार्मास्युटिस्ट ग्रेट 2, एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता. है तीन स्टाफ नर्स, एक लैब टेक्नीशियन, एक सहायक ग्रेड 3, एक बार्ड बाय और दो आया के पद शामिल है स्वास्थ्य मंत्री ने सीएम सहाय का जताया आभार स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णूदेव सहाय का आभार व्यक्त किया है. उन्होंने कहा है कि नए इस काम के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव सहाय का आभार व्यक्त किया है.

मध्य प्रदेश में जिला सहकारी बैंक का मैनेजर रिश्वत लेते पकड़ाया लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई

दैनिक भास्कर दर्पण

डॉ रामदत्त दीक्षित

मध्य प्रदेश में रिश्वतखोर अधिकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है लगभग हर दूसरे दिन कहीं ना कहीं लोकायुक्त रिश्वतखोर अधिकारी कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ रही है. लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज नहीं आरहे रहे है. ताजा मामला मध्यप्रदेश के नर्मदा पुरम जिले का है, यहां जिला सहकारी बैंक मर्यादित सुहागपुर शाखा के शाखा प्रबंधक को लोकायुक्त भोपाल की टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है।

बैंक मैनेजर मांग रहा था 20000 रिश्वत

सोहागपुर के रहने वाले आवेदक कैलाश कुशवाहा ने लोकायुक्त कार्यालय भोपाल में शाखा प्रबंधक जिला सहकारी बैंक मर्यादित सुहागपुर के मैनेजर दिनेश चंद्र दुबे के खिलाफ शिकायत की थी. शिकायत में कैलाश कुशवाहा ने बताया कि उसके शाखा के समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदी की समिति आदिम जाति सहकारी समिति मर्यादित सोहागपुर के नाम से है. उसके कर्मचारियों के वेतन तथा धान खरीदी की हम्माली के भुगतान के एवज में शाखा प्रबंधक दिनेश चंद्र दुबे प्रत्येक एक लाख के भुगतान पर 10% का कमीशन रिश्वत में मांग रहे हैं. अभी 200000 के लगभग का चेक हम्माली भुगतान का लगाया है. जिसे पास करने के लिए 20000 रिश्वत मांग रहे हैं।

बैंक के केबिन में रिश्वत लेते पकड़ा

शाखा प्रवधंक को लोकल टीम ने शिकायत की जांच की. और शिकायत सही पाए जाने पर गुरुवार 8 जनवरी को आवेदक कैलाश कुशवाहा को रिश्वत के 20000 देने के लिए शाखा प्रबंधक दिनेश

चंद्र दुबे के पास भेजा रिश्वत की रकम देने के लिए शाखा प्रबंधक ने आवेदक को बैंक में बुलाया और जैसे ही केबिन में रिश्वत के रुपए लिए तो लोकायुक्त की टीम ने शाखा प्रबंधक दिनेश चंद्र दुबे को रंगे हाथों पकड़ लिया।

सभी चिकित्सा पद्धति का अपना महत्व : तोमर

वैकल्पिक चिकित्सक महा सम्मेलन में शामिल हुए माननीय विधानसभा अध्यक्ष

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर रविवार को राजधानी में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ. काउंट सीज़र मैटी की जयंती पर आयोजित वैकल्पिक चिकित्सक महा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का आयोजन वैकल्पिक चिकित्सक संघ, मध्यप्रदेश ने किया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति में बहुत की चिकित्सा पद्धति का संगम है। सभी चिकित्सा पद्धति उपयोगी होती है, लेकिन हर चिकित्सा पद्धति को विकसित होने में समय लगता है। समय के साथ-साथ चिकित्सा पद्धति में बदलाव होता है। एक समय मानव के लिए प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति सबसे अनुकूल थी। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को भी पूरक चिकित्सा मानना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सा पद्धति का अपना महत्व है। चिकित्सक को उसी पद्धति में ही इलाज करना चाहिए। इससे वह चिकित्सा पद्धति एक दिन अवश्य मान्यता प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि हमें अपनी चिकित्सा पद्धति पर विश्वास होना चाहिए और उस पर दृढ़ रहना चाहिए।

उन्होने आयोजन वैकल्पिक चिकित्सक संघ के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि व्यक्तिगत कार्य करना ज्यादा कठिन नहीं होता है, लेकिन बहुत सारे लोगों को लेकर संगठित भाव से किसी लक्ष्य की ओर बढ़ना यह एक मुश्किल कार्य है। वैकल्पिक चिकित्सक संघ के प्रयास प्रशंसनीय है।

छिंदवाड़ा में सड़क हादसा, युवक की मौत

ट्रक ने कार को टक्कर मारी, यात्री प्रतीक्षालय में घुसी; छिंदवाड़ा-नरसिंहपुर हाईवे पर हादसा

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा-नरसिंहपुर हाईवे पर शनिवार-रविवार की दरमियानी रात एक सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। अंजनिया रोड स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पास तेज रफ्तार कार हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना शनिवार-रविवार रात्रि करीब 12.30 बजे तनवीर मंसूरी (25) पिता मोहम्मद नदीम मंसूरी, निवासी विद्यासागर रेजिडेंसी, थाना देहात, अपने दो दोस्तों के साथ किआ सेल्टोस कार से सारना की ओर से आ रहा था।इसी दौरान हिंदुस्तान लीवर साबुन फैक्ट्री के सामने सामने से आ रहे एक अज्ञात ट्रक ने कार को टक्कर मार दी।

प्रतीक्षालय से जा टकराई कार

टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने यात्री प्रतीक्षालय में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गंभीर चोटें आने के कारण तनवीर मंसूरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार उसके दो अन्य दोस्त घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस- धर्मटेकरी चौकी प्रभारी अविनाश पारधी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अज्ञात ट्रक की तलाश भी जारी है।

तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार की रफ्तार काफी तेज थी। हाईवे पर घुमावदार मोड़ और तेज गति के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे यह दर्दनाक हादसा हो गया।

सीधी में दिखा दुर्लभ प्रजाति के गिद्धों का समूह

अधिकारी बोले- संजय टाइगर रिजर्व में अनुकूल पर्यावरण के संकेत

दो दशकों से गिद्धों की संख्या में गिरावट

सीधी (नप्र)। सीधी जिले के मझौली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत ठोंगा में 6 और 11 जनवरी को गिद्धों का एक बड़ा समूह देखा गया। विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी इस दुर्लभ प्रजाति के पक्षियों को ग्रामीणों ने अपने कैमरों में कैद किया, जिससे वन्यजीव प्रेमियों और पर्यावरणविदों में चर्चा तेज हो गई है। गिद्ध कत्थई और काले रंग के भारी कद के पक्षी होते हैं, जिनकी दृष्टि अत्यंत तेज होती है। ये झुंड में रहने वाले मुर्दाखोर पक्षी हैं, जो मृत पशुओं और सड़े-गले मांस को खाकर प्रकृति की सफाई में अहम भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें 'प्राकृतिक सफाईकर्मी' भी कहा जाता है। इनकी आयु सामान्यतः 40 से 45 वर्ष तक होती है, और ये चार से छह साल की उम्र में प्रजनन योग्य हो पाते हैं। गिद्धों की दृष्टि इंसानों से लगभग आठ गुना बेहतर मानी जाती है; ये खुले मैदान में चार मील दूर से भी शव देख सकते हैं।

बीते दो दशकों में गिद्धों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इसका मुख्य कारण पशुचिकित्सा में उपयोग होने वाली डिक्लोफेनिक दवा रही है, जो मृत पशुओं के मांस के साथ गिद्धों के शरीर में पहुंचकर उनकी किडनी फेल कर देती थी। वर्ष 2008 में इस दवा पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके अलावा, हाई लेवल बिजली टॉवर और तारों से टकराने के कारण भी गिद्धों का पलायन और मौत हुई है।

रस्साकशी:

योद्धाओं के प्रशिक्षण से जुड़ा खेल

● जो लगातार 5 ओलंपिक गेम्स का हिस्सा रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। 'रस्साकशी' एक ऐसा पारंपरिक खेल है, जिसमें दो टीमें एक रस्सी के दो अलग-अलग छोर को पकड़कर खींचती हैं। इस खेल में निर्धारित रेखा के पार प्रतिद्वंद्वी टीम को खींचने वाली टीम विजेता होती है। यह खेल ताकत, संतुलन और सामूहिक समन्वय पर आधारित है। इस खेल की खासियत यह है कि इसमें महंगे उपकरण या किसी स्टेडियम की जरूरत नहीं होती। क्या आप जानते हैं कि यह ओलंपिक खेलों का भी हिस्सा रहा है? रस्साकशी के खेल का इतिहास योद्धाओं के प्रशिक्षण से जुड़ा है। भले ही इसकी उत्पत्ति का कोई निश्चित समय या स्थान नहीं है, लेकिन इसके प्रमाण भारत समेत मिस्र, जापान, कोरिया, हवाई, ग्रीस और चीन में पाए गए हैं। कुछ संस्कृतियों में रस्साकशी सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि सामाजिक अनुष्ठानों का भी प्रतीक है। धीरे-धीरे यह खेल अन्य देशों में भी प्रचलित हुआ। 15वीं से 18वीं शताब्दी के बीच फ्रांस और ब्रिटेन में भी यह खेल काफी लोकप्रिय हुआ। 19वीं सदी के बीच यह नाविकों के बीच प्रचलित हुआ।

रस्साकशी का यह खेल 1900, 1904, 1908, 1912 और 1920 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक का हिस्सा रहा। शुरुआती दो ओलंपिक में इस खेल के दौरान सिर्फ 5-6 सदस्य ही होते थे, जिनमें कोई भारवर्ग नहीं होता था।

शुरुआती ओलंपिक खेलों में कई टीमों में ऐसे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जो अन्य स्पर्धाओं में भी हिस्सा ले रहे थे। यही वजह रही कि 1900 के ओलंपिक में यूएसए को अपनी टीम वापस लेनी पड़ी, क्योंकि उसके तीन खिलाड़ी हैमर थ्रोइंग स्पर्धा में भाग ले रहे थे। 1908 ओलंपिक के दौरान इस खेल में विवाद तक हुआ, क्योंकि लिवरपुल पुलिस टीम के खिलाड़ियों ने इतने बड़े और भारी जूते पहने थे कि उन्हें अपने पैर जमीन से भी उठाने में मुश्किल हो रही थी। लिवरपुल टीम ने दलील दी कि यह उनके तयशुदा पुलिस जूते हैं। 1900 में स्वीडन/डेनमार्क ने गोल्ड जीते, जिसके बाद साल 1904 में यूएसए ने गोल्ड अपने नाम किया। इसके बाद ग्रेट ब्रिटेन (1908), स्वीडन (1912) और फिर से ग्रेट ब्रिटेन (1920) ने गोल्ड पर कब्जा जमाया। 1920 के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने महसूस किया कि खेलों और प्रतिभागियों की संख्या बहुत अधिक थी। ऐसे में रस्साकशी समेत अन्य 33 खेलों को ओलंपिक से हटा दिया गया।

1958 तक ब्रिटेन में एमेच्योर एथलेटिक एसोसिएशन (एएएएस) रस्साकशी का आयोजन करवाता था, जिसके बाद 'टग ऑफ वॉर एसोसिएशन' की स्थापना हुई। साल 1960 में रस्साकशी अंतरराष्ट्रीय महासंघ (टीडब्ल्यूआईएफ) की स्थापना हुई।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए अहम होगा ये स्पिनर, गांगुली ने किया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि घर पर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब बचाने की भारत की उम्मीदें काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेंगी कि वरुण चक्रवर्ती टूर्नामेंट में कैसा प्रदर्शन करते हैं, जो टीम के स्पिन-हैवी बॉलिंग अटैक के महत्व को बताता है।

गांगुली ने बातचीत में भारत की तैयारियों के बारे में संक्षेप में बात करते हुए इस पर जोर दिया कि घरेलू परिस्थितियां अच्छी स्पिन बॉलिंग को और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बनाती हैं और उन्हें लगता है कि भारत इस ग्लोबल इवेंट में इसके लिए अच्छी तरह से तैयार है। गांगुली ने कहा, 'हां, इससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता (घरेलू वर्ल्ड कप) और भारत हमेशा मेरी पसंदीदा टीम है। उनके पास एक मजबूत स्पिन अटैक है और अगर चक्रवर्ती फिट हैं तो यह भारत के लिए अच्छा है।'

विमेंस एचआईएल

श्राची बंगाल टाइगर्स को हराकर एसजी पाइपर्स ने जीता खिताब

रांची, एजेंसी। एसजी पाइपर्स ने शनिवार को फाइनल में रोमांचक 1-1 ड्रॉ के बाद शूटआउट में श्राची बंगाल टाइगर्स को 3-2 से मात देकर विमेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) का खिताब अपने नाम किया। एसजी पाइपर्स ने फाइनल की शुरुआत पूरे जोश और इरादे के साथ की, शुरुआती क्वार्टर में हाई प्रेसिंग करते हुए जल्दी ही सर्कल में एंट्री की। इशिका और जुआना कैस्टेलारो अटैक में काफी एक्टिव थीं, जबकि पाइपर्स के मिडफील्ड ने टाइगर्स को समय और जगह देने से रोकने के लिए आक्रामक तरीके से काम किया। लगातार दबाव और कई अटैकिंग प्रयासों के बावजूद, पहला क्वार्टर गोल रहित समाप्त हुआ। श्राची बंगाल टाइगर्स ने दूसरे क्वार्टर में लालरेमसियामी के गोल से बढ़त बनाई, जिन्होंने एक शानदार मूव को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। एसजी पाइपर्स ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, धैर्य बनाए रखा और फ्लैंक से हमले जारी रखे। कप्तान नवनीत कौर ने मोर्चा संभाला, सर्कल में घुसकर डिफेंडर्स को चकमा दिया, जिससे पाइपर्स ने पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए और हाफटाइम से पहले दबाव बनाया, हालांकि बराबरी का गोल नहीं हो सका। तीसरे क्वार्टर में कड़ी टक्कर देखने को मिली, जिसमें दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाया। टाइगर्स ने पेनाल्टी कॉर्नर से मौके बनाए, लेकिन पाइपर्स डिफेंस में अनुशासित रहे। दूसरी ओर, एसजी पाइपर्स ने तेज बॉल मूवमेंट और सर्कल में तेज घुसपैठ से टाइगर्स के डिफेंस को लगातार परखा, जिससे मुकाबला अंतिम क्वार्टर में भी बराबरी पर बना रहा। एसजी पाइपर्स को चौथे क्वार्टर में आखिरकार सफलता मिली। मोमेंटम बनने के साथ, भारतीय ओलंपियन प्रीति दुबे ने 53वें मिनट में करीब से गोल करके अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया और एक रोमांचक फिनिश की शुरुआत की। दोनों टीमों ने अंतिम क्षणों में निर्णायक गोल के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन रेगुलेशन टाइम 1-1 के स्कोर पर समाप्त हुआ, जिससे फाइनल शूटआउट में चला गया। शूटआउट में, एसजी पाइपर्स ने मजबूत इरादे दिखाए।

गोलकीपर बंसरी सोलंकी ने दबाव में महत्वपूर्ण बचाव किए, जबकि पाइपर्स ने धैर्य बनाए रखते हुए 3-2 से जीत हासिल की। पाइपर्स के कैप्टन का एक खास पहलू भारतीय टैलेंट पर उनका भरोसा था। टीम ने लगातार मुकाबलों में स्टार्टिंग इलेवन में 9 भारतीय खिलाड़ियों को शामिल किया, जो लीग नियमों के तहत ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों की संख्या है।

कोच यान जेलेज्नी से अलग हुए नीरज चोपड़ा

90 मीटर के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद विदाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के दिग्गज कोच यान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी एक सीजन बाद समाप्त करने की घोषणा की। नीरज ने इसे सीख, प्रगति और आपसी सम्मान से भरा सफर बताया, हालांकि अलग होने की वजह स्पष्ट नहीं की।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शनिवार को चेक गणराज्य के दिग्गज कोच यान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी समाप्त करने की घोषणा की। यह साझेदारी सिर्फ एक सीजन तक चली, जिसे नीरज ने प्रगति, आपसी सम्मान और खेल के प्रति साझा जुनून से भरा बताया। हालांकि, नीरज ने इस करार के खत्म होने की कोई ठोस वजह नहीं बताई।

नीरज ने की जेलेज्नी की तारीफ

यान जेलेज्नी भाला फेंक के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं और विश्व रिकॉर्ड धारक भी हैं। उन्हीं के मार्गदर्शन में नीरज चोपड़ा ने पिछले साल पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था। अपने अनुभव को साझा करते हुए नीरज ने कहा कि जिस खिलाड़ी को वह बचपन से अपना आदर्श मानते आए हैं, उससे सीधे सीखना उनके लिए सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा, 'यान के साथ काम करने से मुझे एक नया टूलबॉक्स मिला, नई एक्सरसाइज, तकनीकी विचार और खेल को देखने के नए नजरिए। तकनीक, रिद्म और मूवमेंट को लेकर उनकी सोच अद्भुत है। हर सेशन से मैंने कुछ नया सीखा।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा गर्व इस बात का है कि मैंने अपने जीवन के आदर्श के साथ एक गहरी दोस्ती बनाई। जान न केवल अब तक के सबसे महान भाला फेंक खिलाड़ी हैं, बल्कि सबसे बेहतरीन इंसानों में से भी एक हैं।'

सेना और देशभक्ति के अनुभव से जुड़ी कहानी में काम करना गर्व का पल है

फिल्मों की दुनिया में कई बार कुछ मौके अचानक ही मिल जाते हैं, जिनकी उम्मीद नहीं होती। ऐसे ही एक खास मौके ने अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को नया अनुभव दिया। इन दिनों चित्रांगदा सलमान खान की द बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। चित्रांगदा ने अपने अनुभव के बारे में कहा, जब निर्देशक अपूर्व लाखिया ने मुझे इस फिल्म के लिए कॉल किया, तो मेरा पहला रिएक्शन यही था, सच में? मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मुझे सलमान खान के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मैंने न तो कभी सलमान से काम के लिए बात की और न ही कभी इसकी कोशिश की। यह मौका मेरे लिए पूरी तरह से आश्चर्यजनक और रोमांचक रहा। फिल्म द बैटल ऑफ गलवान की कहानी 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है। 15 जून को नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों को जानमाल का नुकसान हुआ। सीमा के पास फायरआर्म्स का इस्तेमाल न करने के समझौते के कारण, सैनिकों ने लाठियों और पत्थरों का इस्तेमाल करते हुए लड़ाई लड़ी थी।

चित्रांगदा ने कहा, मैं सेना की दुनिया को अच्छी तरह समझती हूं, और एक आर्मी मैन की बेटी होने के नाते, यह फिल्म मेरे लिए और भी व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण है। यह फिल्म सिर्फ एक मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील कहानी को लोगों तक पहुंचाने का अवसर भी है। उन्होंने कहा, द बैटल ऑफ गलवान एक महत्वपूर्ण फिल्म है।

वाराणसी से पहले इस फिल्म में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

वाराणसी से पहले प्रियंका चोपड़ा ओटीटी पर एक नई फिल्म में नजर आने वाली हैं। वह अपनी नई फिल्म 'द ब्लफ' में एक नए लुक में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ द बॉयज के मशहूर अभिनेता कार्ल अर्बन नजर आएंगे। मेकर्स ने फिल्म का पहला लुक जारी कर दिया है, जिसमें प्रियंका दमदार अंदाज में दिखाई दे रही हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर लिखा है मां और रखवाली। ब्लडी मैरी से 25 फरवरी 2026 को प्राइम वीडियो पर मिलिए। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा एक पूर्व समुद्री डाकू रानी का किरदार निभा रही हैं। प्रियंका चोपड़ा जल्द ही भारतीय सिनेमा में भी वापसी करने वाली हैं। वह एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में होंगे।

दिल्ली मेट्रो एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर सिग्नलिंग केबल हुई चोरी

मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में बेखौफ चोरों का आतंक चरम पर है। आमतौर पर घरों और दुकानों के साथ ही चोर अब मेट्रो की संपत्तियों को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं। ऐसे ही चोरों ने आज अपनी हरकत से अतिसुरक्षित मानी जाने वाली दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) की तरफ से रविवार सुबह अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर बताया गया, ''एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन अपडेट - धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास सिग्नलिंग केबलों की चोरी और क्षतिग्रस्त के कारण आज सुबह से धौला कुआं से शिवाजी स्टेडियम स्टेशनों के बीच एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर ट्रेन सेवाओं को नियंत्रित/प्रतिबंधित गति से चलाया जा रहा है। हालांकि अन्य सभी लाइनों पर सेवाएं सामान्य हैं।''

दिल्ली मेट्रो की करीब 22.7 किलोमीटर लंबी एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (टी-3) और द्वारका से जोड़ती है। यह भारत की सबसे तेज मेट्रो लाइन है।

कहां-कहां है इंटरचेंज की सुविधा नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन (येलो लाइन) :- समयपुर बादली / हुडा सिटी सेंटर एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन से येलो लाइन जाने के लिए स्टेशन के अंदर ही सीधा रास्ता उपलब्ध है।

नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन :- भारतीय रेलवे के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन गेट नंबर 6 से बाहर निकलकर आप सीधे रेलवे स्टेशन के 'अजमेरी गेट' की ओर जा सकते हैं।

धौला कुआं मेट्रो स्टेशन (पिंक लाइन) :- मजलिस पार्क / शिव विहार यहां ट्रैवेलेटर की सुविधा है जो आपको 'दुर्गाबाई देशमुख साउथ कैंपस' स्टेशन से जोड़ती है।

दिल्ली की पुरानी झील की बदलेगी तस्वीर 2 महीने में खर्च होंगे 14.75 लाख रूपये

● काम शुरू होने के बाद इसे दो महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम ने उत्तरी दिल्ली के मॉडल टाउन में स्थित नैनी झील के कायाकल्प के लिए ठेकेदारों से बिडिंग आमंत्रित की हैं। अधिकारियों की मानें तो काम शुरू होने के बाद इसे दो महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। इसके कायाकल्प में कुल 14.75 लाख रुपये लगेंगे। यह कदम स्थानीय निवासियों की शिकायतों के बाद उठाया गया है, जिन्होंने पुरानी हो चुकी सुविधाओं, खराब रोशनी और बैठने की जगह की कमी को लेकर चिंता जताई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य झील परिसर को सुरक्षित, चमकदार और पर्यटकों खासकर परिवारों और बुजुर्गों के लिए बेहतर बनाना है। दिन और रात, दोनों समय लोगों की सुविधा के लिए निर्माण कार्य और बिजली के काम एक साथ किए जाएंगे। कुल बजट में से लगभग 8.88 लाख मरम्मत और निर्माण के लिए रखे गए हैं, जबकि 5.86 लाख बिजली और रोशनी की व्यवस्था के लिए तय किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस कायाकल्प योजना में झील के चारों ओर पैदल चलने के लिए नए रास्ते, टूटे हुए फर्श की मरम्मत, बैठने के लिए नई बेंचें, बाउंड्री की सजावट और रास्तों व भीड़भाड़ वाली जगहों पर नई लाइटिंग लगाना शामिल है। यह झील स्थानीय लोगों के लिए मॉर्निंग वॉक और आपस में मिलने-जुलने की एक मुख्य जगह है। अधिकारियों ने बताया कि यहां कोई बड़ा या भारी निर्माण नहीं किया जाएगा, बल्कि जनता की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। अधिकारी के अनुसार, सुधारने के लिए डीटीटीडीसी द्वारा चलाए जा रहे प्रोजेक्ट्स में यह झील भी शामिल है।

'हमारा उद्देश्य झील के प्राकृतिक वातावरण को छेड़े बिना पुरानी सुविधाओं को सुधारना है। लोग यहां रोज आते हैं, इसलिए बेहतर रोशनी और सुरक्षित रास्तों जैसी व्यावहारिक चीजों पर जोर दिया जा रहा है।' अधिकारियों का कहना है कि सुधार कार्य पूरा होने के बाद, यहां छोटे सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रमों को भी बढ़ावा दिया जाएगा ताकि झील का परिसर और जीवंत हो सके। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के विभिन्न इलाकों में स्थित सार्वजनिक स्थलों को निर्माण कार्य का समय जानबूझकर कम रखा गया है ताकि यहां आने वाले लोगों और मॉर्निंग वॉक करने वालों को ज्यादा परेशानी न हो। अधिकारियों के अनुसार, काम के दौरान कुछ हिस्सों में अस्थायी रास्ते बनाए जा सकते हैं ताकि मरम्मत के समय भी लोग झील परिसर का इस्तेमाल कर सकें। डीटीटीडीसी के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि, 'एक बार जब कायाकल्प का काम पूरा हो जाएगा, तो इसके नियमित रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित नागरिक निकायों के पास रहेगी।'

असली स्वरूप में लौटा दिल्ली का पुराना बारापुला ब्रिज

● संरक्षण कार्य के बाद अब यह ब्रिज पर्यटकों को आकर्षित करने लगा है

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में स्थित मुगल काल की ऐतिहासिक संरचना बारापुला ब्रिज को उसका पुराना स्वरूप वापस लौटाया गया है। संरक्षण कार्य के बाद अब यह ब्रिज पर्यटकों को आकर्षित करने लगा है। ऐसा माना जा रहा है कि यह ब्रिज दिल्लीवालों के लिए एक नया पिकनिक स्पॉट बन सकता है।

लंबे समय से गुमनामी का दंश झेल रहे 400 साल पुराने बारापुला को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) उसकी पहचान लौटाने में जुटा है। ब्रिज की मरम्मत का काम लगभग पूरा हो गया है। अब अगले चरण में सौंदर्यीकरण के लिए हॉर्टिकल्चर विभाग यहां कार्य करेगा। यहां पर लोगों के बैठने और रोशनी की व्यवस्था भी की जाएगी।

ब्रिज पर सूचना बोर्ड लगेंगे, जिससे पर्यटक पुल के इतिहास से रूबरू होंगे। इसमें दिल्ली के इतिहास और आस-पास के स्मारकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। एएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके ऊपर एक मीटर तक मलबा था, उसे हटाया गया है। साथ ही, अतिक्रमण के साथ यहां बाजार भी लगता था जिसे बंद किया गया। इस ब्रिज के दोनों ओर लगे कई बुर्ज टूट चुके थे, उन्हें फिर से

स्थापित किया गया है। ब्रिज में आ चुकीं दरारों को लाइम कंक्रीट से भरा गया है। अब पहले से सुंदर लग रहा है। यह पुल पत्थर से बनी एक विशाल संरचना है। इसमें 11 मेहराब हैं, जो 12 स्तंभ पर टिके हुए हैं। इसकी लंबाई लगभग 195 मीटर है। इसमें 12 खंभों के कारण इसे बारापुला नाम दिया गया था। बारापुला निजामुद्दीन इलाके के पास है। ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार इस पुल का निर्माण 1617 से 22 के मध्य में मिहर बानो आगा ने करवाया था। इस पुल को 1916 में राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया था।

ब्रिटिश कंपनी के सीईओ से पौने 8 करोड़ रुपये ठगे, निवेश के नाम पर लगाई चपत

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर गुरुग्राम-सोहना रोड पर सेक्टर-47 स्थित मालिबू टाउन कॉलोनी निवासी एक ब्रिटिश कंपनी के सीईओ से करीब पौने 8 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। निवेश के नाम पर हुए साइबर फ्रॉड में यह अब तक की सबसे बड़ी धोखाधड़ी है। साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मालिबू टाउन कॉलोनी की केडार ड्राइव ब्लॉक निवासी 54 वर्षीय अश्वनी अवस्थी ने बताया कि वह शेयर बाजार में निवेश करने के लिए उन्होंने पिछले साल सितंबर में गूगल पर निवेश सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों को खोजना शुरू किया। उन्हें एक कंपनी का विज्ञापन मिला। कंपनी ने खुद को निवेश में सहायता करने वाला एक विश्वसनीय मंच बताया। इस कंपनी के बारे में जब अवस्थी ने जानकारी निकाली तो उसे पता चला कि देश के प्रख्यात उद्योगपतियों ने इस ऐप के माध्यम से निवेश किया हुआ है। इससे उनकी संगठन के प्रति विश्वसनीयता बन गई और उन्होंने इसके जरिये शेयर बाजार में निवेश करने का फैसला लिया। अश्वनी अवस्थी को इस ऐप के माध्यम से एक लिंक मिला। इस लिंक पर क्लिक करने के बाद वह इस कंपनी की ऐप के समूह में शामिल हो गए। उसने ऐप पर बताया कि वह निवेश में नौसिखिए हैं। ऐसे में उसे पहले छोटी राशि निवेश करने की सलाह दी गई। उन्हें आश्वासन दिया कि निवेश के बारे में जानकारी हासिल होने के बाद वह धीरे-धीरे राशि को बढ़ा सकते हैं। 29 सितंबर को उन्होंने इस ऐप के माध्यम से ओटीसी और आईपीओ में निवेश करना शुरू किया और एक जनवरी तक निवेश किया।

लश्कर का नंबर 2 आतंकी स्कूल में भाषण दे रहा, भारत के खिलाफ जहर उगला

इस्लामाबाद, एजेंसी।
लश्कर-ए-तैयबा के उप प्रमुख और पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह पाकिस्तानी सेना के साथ अपने संगठन के गहरे संबंधों को खुलासा कर रहा है। कसूरी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना उसे अपने सैनिकों की अंतिम यात्रा में जनाजे की नमाज पढ़ने के लिए आमंत्रित करती है। यह वीडियो किस समय का है, तारीख अभी मालूम नहीं चली। इसमें वह स्कूल के बच्चों को भाषण देता नजर आ रहा है। हालांकि, खुफिया स्रोतों ने इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि कर दी है।

सैफुल्लाह कसूरी ने दावा किया, 'पाकिस्तान की सेना मुझे जनाजे की नमाज पढ़ने के लिए बुलाती है। क्या तुम्हें पता है कि भारत भी मुझसे डरता है?' यह खुलासा पाकिस्तान की ओर से राज्य प्रायोजित आतंकवाद के भारत के लंबे समय से चले आ रहे आरोपों को मजबूती देता है। यह घटना किसी सभ्य समाज में अकल्पनीय है कि एक आतंकी संगठन का दूसरा सबसे बड़ा नेता बच्चों के स्कूल में जाकर युवा दिमागों को प्रभावित करे। पहलगाम हमले में 26 पर्यटकों की हत्या के लिए जिम्मेदार लश्कर ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर काम किया, जैसा कि 1999 के कारगिल युद्ध में भी देखा गया था।

आतंक का निर्यात करने में जुटा पाकिस्तान

ऑपरेशन सिंदूर के छह महीने बाद पाकिस्तान समर्थित लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद ने जम्मू-कश्मीर में नए हमलों की तैयारी की थी, जिसे नई दिल्ली ने गंभीर चेतावनी करार दिया। एनडीटीवी की रिपोर्ट में यह बताया गया है। ऑपरेशन सिंदूर अप्रैल 2025 के पहलगाम हमले के जवाब में शुरू हुआ था, जो आतंकी ढांचे को नष्ट करने का भारतीय अभियान था। अगर इसी तरह पाकिस्तान की ओर से आतंक का निर्यात जारी रहा तो इसकी नई फेज शुरू हो सकती है। यह भारत ही नहीं, दुनिया भर के लिए चिंता की बात है। ताजा वीडियो से पाकिस्तान की थू-थू हो रही है, लेकिन वैश्विक स्तर पर उसके खिलाफ सख्त ऐक्शन लेना होगा।

न्यायाधीश ने ट्रंप पर क्या टिप्पणी की

ट्रंप को झटका : कोर्ट ने वाशिंगटन और ओरेगन में मतदान संबंधी आदेश रोका

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में चुनावी प्रक्रिया को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय अदालत ने वाशिंगटन और ओरेगन में डाक द्वारा मतदान से जुड़े ट्रंप प्रशासन के कार्यकारी आदेश के अधिकांश प्रावधानों पर रोक लगा दी है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब ट्रंप प्रशासन मतदान नियमों को सख्त करने की कोशिशों में जुटा हुआ था।

सिएटल स्थित अमेरिकी जिला न्यायाधीश जॉन एच. चुन ने साफ कहा कि राष्ट्रपति को चुनावों को नियंत्रित करने का अधिकार नहीं है। ट्रंप प्रशासन नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य करना चाहता था। सभी मतपत्रों को चुनाव दिवस तक प्राप्त करने की शर्त रखी गई थी। अदालत ने माना कि ये प्रावधान राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। जज ने अपने आदेश में कहा कि चुनावों को विनियमित करने का अधिकार केवल राज्यों और कांग्रेस के पास है। संविधान शक्तियों के पृथक्करण की बात करता है। कोई भी राष्ट्रपति एकतरफा चुनाव नियम तय नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि ऐसे आदेश लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ हैं। वाशिंगटन और ओरेगन ने अलग-अलग मुकदमा दायर किया। दोनों राज्य केवल डाक द्वारा मतदान प्रणाली अपनाते हैं। उनका कहना था कि कार्यकारी आदेश से उन्हें सीधा और विशेष नुकसान होता। इससे पहले 19 राज्यों ने मैसाचुसेट्स में इसी तरह का केस दायर किया था, जिसमें भी ट्रंप को झटका लगा था। एक अन्य मामले में संघीय जज अरुण सुब्रमण्यन ने ट्रंप प्रशासन को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि बच्चों की देखभाल और जरूरतमंद परिवारों से जुड़े कार्यक्रमों की फंडिंग नहीं रोकी जा सकती।

दान, तप व आत्मिक उत्थान ही मकरसंक्रांति का मूल तत्व है

जब सूर्य धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करता है, तब मकसंक्रांति का पर्व मनाया जाता है। हिंदू धर्म में वर्ष को दो अयनों में बांटा गया हैः उत्तरायण और दक्षिणायण। मकर संक्रांति के दिन से सूर्य की उत्तरायण गति प्रारंभ हो जाती है इसलिए मकर संक्रांति को उत्तरायण भी कहते हैं। उत्तरायण को देवताओं का दिन अर्थात् सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। इसीलिए इस दिन जप, तप, दान, स्नान, आदि धार्मिक क्रियाकलापों को विशेष महत्व दिया जाता है। संक्रांति के पर्व पर दान देने का विशेष महत्व बताया गया है। श्री माताजी ने दान दिए जाने की विषय में भी अपनी अमृतवाणी में उल्लेखित किया है , "दान किसे दिया जाए? ऐसा भी प्रश्न खड़ा होता है। यह देखना चाहिए कि हम मुक्त मन से अपने देश के लिए, अपने बंधुओं के लिए, अपने पड़ोसियों के लिए क्या कर रहे हैं? मन रोककर नहीं रखना चाहिए, मन खोलकर पूरी तरह से लुटाना चाहिए। उसका एक विशेष आनंद होता है। इस अवसर पर तिल व गुड़ को हमारी संस्कृति में विशेष महत्व दिया गया है जो कि स्वास्थ्य के लिए ऋतु चर्या के अनुकूल तथा मृदुलता व मिठास का प्रतीक है।

मकर संक्रांति पर सूर्य पूजा का विशिष्ट महत्व है। यह संकेत होता है कि दाता को सूर्य के जैसे अपना भाव रखना चाहिए।श्री माताजी ने वर्णित किया है , "सूर्य के जैसे अपना स्वभाव होना चाहिए। सूर्य क्या करता है , इसका उसे कुछ आभास ही नहीं। उसे कुछ भी पता नहीं परंतु सतत् कर्मों में खड़ा है , सदैव प्रज्वलित रहता है | आपको नित्य प्रकाश देकर, आनंद देकर, संपूर्ण जीवनत्व देकर आप का पालन पोषण करता है। हम प्रतिदिन उसे देखते हैं। बहुत लोग उसे नमस्कार भी करते हैं किंतु मात्र नमस्कार तक। उसमें से कुछ भी हमारे अंदर आता नहीं है | उसकी देने की शक्ति, उसकी क्षमता हमारे अंदर आनी चाहिए। " श्री माताजी ने अनेक बार उपदेशित किया है कि सहजयोगी संत के समान है अतः उनका आचरण भी संत के समान होना चाहिए। उन्हें विश्व कल्याण के लिए प्रयासरत रहना चाहिए व उसके लिए उद्यम करना चाहिए। संक्रांति के पावन पर्व पर यह प्रण लेना चाहिए कि श्री माताजी की कृपा से व हमारे प्रयास से अनेकानेक लोग आत्मिक उत्थान को प्राप्त हो सकें तथा हम स्वयं भी अपने आत्मिक उत्थान को विकसित कर सकें | अपने अंदर सूर्य की शक्तियों को जागृत कर सकें तथा परमात्मा के कार्य में सहयोगी बनें। परमात्मा के कार्य का साधन होना अत्यंत गौरव की बात है और इस गौरव का आनंद आत्मसाक्षात्कार के पश्चात् ही प्राप्त किया जा सकता है।

निःशुल्क ध्यान प्रशिक्षण हेतु तथा अपने आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति हेतु जानकारी टोल फ्री नंबर 18002700800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

मकर संक्रांति के उपलक्ष में उमड़ा उत्साहः निधि महाराजा अग्रसेन परमार्थ सेवा समिति शिवपुरी ओर से वितरित किया खिचड़ी का प्रसाद

शिवपुरी। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर शहर के विभिन्न हिस्सों में दान-पुण्य और सेवा कार्यों की धूम रही। इसी कड़ी में स्थानीय गुरुद्वारे के पास महाराजा अग्रसेन परमार्थ सेवा समिति शिवपुरी ओर से महिला टीम द्वारा बड़े स्तर पर खचड़ी और वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सेवा भाव से सराबोर दिखा आयोजन- आयोजन के दौरान निधि गुप्ता ने बताया कि मकर संक्रांति का महीना हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस अवसर पर वे और उनकी सहयोगी बहनें हर वर्ष सेवा कार्य करती हैं। इस साल भी उन्होंने श्रद्धा भाव से राहगीरों और जरूरतमंदों को खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया। पूर्व में भी किए कई सामाजिक कार्य अपनी समिति के कार्यों का उल्लेख करते हुए निधि गुप्ता ने बताया किः पिछले वर्ष उन्होंने गुरु गोरखनाथ मंदिर में विशाल 'अन्नकूट' के भंडारे का सफल आयोजन किया था। उनकी टीम निरंतर धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहती है।

सर्दी को देखते हुए आगामी योजना- बढ़ती ठंड को ध्यान में रखते हुए, निधि गुप्ता ने अपनी टीम के साथ मिलकर एक नई पहल का संकल्प लिया है। उन्होंने कहाः "आने वाले दिनों में हम जरूरतमंदों को कंबल, जूते और अन्य आवश्यक घरेलू सामान वितरित करने का निर्णय ले रहे हैं। हम सभी पदाधिकारी मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि इस कड़ाके की ठंड में किसी को परेशानी न हो।" इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं उपस्थित रहीं, जिन्होंने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक हाथ बँटाया। क्या आप इस रिपोर्ट में कोई विशिष्ट हैडलाइन या कुछ और जानकारी जोड़ना चाहेंगे? मैं इसे आपकी पसंद के अनुसार और बेहतर बना सकता हूँ।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 का हुआ शुभारंभ

शहडोल प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भोपाल में जम्बूरी मैदान से कृषक कल्याण वर्ष 2026 की शुरूआत 1100 ट्रैक्टरों की रैली को हरी झण्डी दिखाकर की गई। जिसका लाइव प्रसारण शहडोल जिले में भी देखा एवं सुना गया। जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर शहडोल में कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर कृषि कल्याण वर्ष 2026 की शुरूआत की तथा कृषि रथों को ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करने हेतु रवाना किया।

विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि किसानों को समृद्ध बनाने के लिए वर्ष 2026 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसान कल्याण वर्ष घोषित किया है। जिसकी थीम समृद्ध किसान, समृद्ध प्रदेश है। किसान कल्याण वर्ष में किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों, अनुदान योजनाओं, कृषि बीमा, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, फसल विविधीकरण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, उद्यानिकी फसलें सब्जी, फूल उत्पादन, मशालों के उत्पादन, आदि के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। किसान रथ एक महीने तक विभिन्न ग्राम पंचायतों में भ्रमण करेंगा, भ्रमण के दौरान कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन तथा कृषि वैज्ञानिक किसानों को तकनीकी सलाह देने के साथ ही स्थानीय संभावनाओं के अनुसार खेती के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

उप संचालक कृषि श्री अनुराग पटेल ने बताया कि शहडोल जिले में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाये जाने के उपलक्ष्य में कृषि एवं संबंद्ध विषयों जैसे पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन आदि पर किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के मध्य सीधा संपर्क कायम कर नवीन एवं वैज्ञानिक तकनीकी सुधार की जानकारी किसानों तक पहुंचाने के उद्देश से जायद, खरीफ एवं रबी फसलों की बुवाई के एक माह पूर्व (वर्ष में प्रति सीजन एक माह) प्रत्येक विकासखण्ड में कृषि रथ चलाया जा रहा है। प्रत्येक दिवस ग्राम पंचयातो का भ्रमण तथा 01 माह के अवधि में विकासखंड के समस्त ग्राम पंचायतों में रथ पहुंचाने के निर्देश है। उन्होंने बताया कि जिले के समस्त विकासखंडों में कृषि रथ के संचालन एवं कृषको को तकनीकी जानकारी देने हेतु रूटचार्ट अनुसार तकनीकी दल गठित कर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कृषि रथ के मुख्य आधार स्तम्भ जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार,मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का प्रचार-प्रसार,एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन,कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के

उपाय, फसल विविधीकरण को बढावा देना,विभागीय कृषि योजनाओं का प्रचार-प्रसार,प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना,ई-विकास प्रणाली अन्तर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था एवं पराली प्रबंधन है। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग, जनपद अध्यक्ष सोहागपुर श्रीमती हीरावती कोल, जनपद सदस्य, कृषि वैज्ञानिक, कृषि उद्यानिकी, मत्स्यपालन से जुड़े किसान तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।